Edit with WPS Office

अमित

अग्निपथ (प्रश्नोत्तर)

मौखिक

प्रश्न 1•इस कविता के रचयिता कौन हैं ?

उ - इस कविता के रचयिता हरिवंशराय बच्चन हैं।

प्रश्न 2 इस कविता में कवि किसे संबोधित कर रहा है ?

उ- इस कविता में कवि कर्मरत मनुष्य को संबोधित कर रहा है ।

प्रश्न 3 अग्निपथ से कवि का क्या अभिप्राय है ?

Edit with WPS Office

उ - अग्निपथ से कवि का अभिप्राय कठिन मार्ग से है।

अतिरिक्त प्रश्न

प्रश्न 1- कवि क्या नहीं माँगने को कह रहा है ?

उ - कवि थोड़ी सी भी छाया नहीं माँगने को कह रहा है ।

प्रश्न 2 -कवि किस प्रकार की शपथ लेने को कह रहा है ?

उ - कवि मनुष्य को कभी न रुकने , कभी न थकने और कभी हार न मानने की शपथ लेने को कह रहा है

Edit with WPS Office

।प्रश्न 3 - कौन -सा दृश्य महान है ?

उ - संघर्षरत मनुष्य को आँखों में आँसू लिए हुए ,माथे से पसीना टपकाते हुए और चेहरे पर खून की लाली के साथ देखना ही महान दृश्य है।

(क) लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1- वृक्ष हमें किसका बोध कराते हैं ?

उ- वृक्ष हमें हमारे मार्ग में आने वाली बाधाओं का बोध कराते हैं।

Edit with WPS Office

प्रश्न 2- मनुष्य अश्रु के साथ कैसे आगे बढ़ता है ?

उ- मनुष्य अपने मार्ग में आने वाली बाधाओं को देखकर कभी-कभी घबरा जाता है और उसकी आँखों से आँसू निकल पड़ते हैं।वह इन आँसुओं को लिए हुए फिर से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए तैयार हो जाता है ।

प्रश्न 3- संघर्षमय जीवन क्या है ?

उ - मनुष्य अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास करता

Edit with WPS Office

है। वह निरंतर चलता रहता है ।उसके माथे से श्रम करने के कारण पसीना बहता है और चेहरा लाल हो जाता है ।यही मनुष्य का संघर्षमय जीवन है।

(ख) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1• घने वृक्ष और एक पत्र छाँह का क्या अर्थ है ?

उ - घने वृक्ष कर्मरत मनुष्य के मार्ग में आने वाली बाधाओं का प्रतीक है । संघर्षशील मनुष्य इन्हें देखकर घबराते नहीं है।एक पत्र छाँह का यह

Edit with WPS Office

अर्थ है कि कठिन मार्ग पर चलने वाला मनुष्य बाधाओं को देखकर हार नहीं मानता।वह थकान से कोसों दूर रहता है ।इसलिए वह थोड़ा सा भी आराम नहीं चाहता ।

2• अश्रु -स्वेद - रक्त से क्या लथपथ है ?

उ - जब मनुष्य मेहनत करता है तो उसकी आँखों से बड़ी -बड़ी बाधाएँ

देखकर आँसू निकल पड़ते हैं।वह इनके साथ आगे बढ़ जाता है ।कठिन श्रम से उसके माथे से पसीना

Edit with WPS Office

बहता है और उसका चेहरा खून के तेज संचार से लाल हो जाता है । यह कर्मरत मनुष्य ही अश्रु -स्वेद - रक्त से लथपथ है।

3• पथ पर रुकने से हम किस चीज से वंचित रह जाते हैं ? कविता के आधार पर उत्तर दीजिए ।

उ- पथ पर रुकने से हम अपनी उपलब्धियों को पाने से वंचित रह जाते हैं।जो व्यक्ति मार्ग में पड़ने वाली विभिन्न बाधाओं को देखकर घबरा जाते हैं और आराम के लिए सोचने लगते हैं।वे अपने लक्ष्य को हासिल

Edit with WPS Office

करने में चूक जाते हैं।जो व्यक्ति अपने शरीर से पसीना बहाते हैं तथा जिनके शरीर में परिश्रम करने से रक्त का संचार होता है, वे आँखों में आँसू लिए हुए भी इस दुर्गम रास्ते को पार कर जाते हैं।

4• कवि किस दृश्य को श्रेष्ठ मानता है ?

उ - अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में लगा हुआ मनुष्य शरीर से पसीना बहाता है।अत्यधिक श्रम से उसका

Edit with WPS Office

मुख भी लाल हो जाता है यानी रक्त का संचार होने लगता है ।इस श्रम में लगे हुए मनुष्य को देखना ही कवि की दृष्टि में श्रेष्ठ दृश्य है।

प्रश्न 5• 'अग्निपथ 'कविता का सारांश अपने शब्दों में लिखिए ।

उ- 'अग्निपथ' कविता प्रसिद्ध कवि हरिवंशराय बच्चन द्वारा लिखी गई है । इस कविता में कवि ने मनुष्य को कठिनाई के मार्ग पर भी आगे बढ़ने के लिए उत्साहित किया है और

Edit with WPS Office

निरंतर लक्ष्य की ओर चलने को कहा है ।

कवि कहते हैं कि हमारे रास्ते में कितनी ही बड़ी मुसीबत आ जाए ,उसे देखकर घबराना नहीं चाहिए । हमें आराम के लिए जगह नहीं खोजनी चाहिए क्योंकि संघर्ष का रास्ता काफी कठिन होता है । मुसीबतें तो आती ही रहती हैं इसलिए उन्हें देखकर हमें रुकना नहीं है ,थकना नहीं है ।और न ही उनसे घबराकर रास्ता बदलना है हमारी प्रतिज्ञा यही होनी चाहिए कि हम हर हाल में उस राह पर आगे बढ़ते

Edit with WPS Office

रहेंगे क्योंकि यह रास्ता संघर्षमय है ।

इस संघर्ष पथ पर चलता हुआ मनुष्य रास्ते की कठिनाइयों से घबरा जाता है ।उसकी आँखों से आँसू बह निकलते हैं।चलते-चलते माथे से पसीना टपकता है ।साथ ही साथ खून के तेज संचार से मुख लाल हो जाता है ।संघर्षशील मनुष्य इनसे हमेशा जुड़ा रहता है क्योंकि यह रास्ता संघर्षमय है, कठिन है ।

इस प्रकार कवि का कहना है कि हमें निरंतर आगे बढ़ते रहना होगा तभी हम अपने लक्ष्य को प्राप्त कर

Edit with WPS Office

सकते हैं।